www.nbpgr.ernet.in

ISSN No.: 2584-1149

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

# राष्ट्रीय पादप आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो

# संवाद

जनवरी-मार्च 2024, अंक 2

## संक्षिप्त खबरें


| | |
|---|---|
| कार्यशाला, बैठक, सेमिनार और सम्मेलन | 2-4 |
| राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय संपर्क | 4 |
| समझौता ज्ञापन | 4 |
| क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण | 5 |
| समारोह | 5 |
| दौरे | 6 |
| सफलताएं/ उपलब्धियां | 7 |
| विविध | 7 |

## निदेशक की कलम से.....

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का कृषि, पशुधन उत्पादन और समग्र खाद्य सुरक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिक जांच प्रबंधन के रूप में, यह हमारा कर्तव्य है कि हम इन चुनौतियों का विश्लेषण करें और ऐसी रणनीतियाँ तैयार करें जो बदलते जलवायु का सामना कर सके । ज्ञान के इस युग में सतत विकास की अवधारणा सभी के लिए मार्गदर्शक है। आज मानवता भी जलवायु परिवर्तन के खतरे का सामना कर रही है, इसलिए यह जरूरी है कि हम भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने की आवश्यकता के तरीके खोजें।

सतत कृषि में पर्यावरणीय प्रबंधन, आर्थिक व्यवहार्यता और सामाजिक समानता के सिद्धांतों के साथ कृषि परंपराओं का सामंजस्य शामिल होता है। भारतीय कृषि प्रणालियों में जलवायु-अनुकूल फसल किस्मों, सटीक कृषि तकनीकों और नवीन जल प्रबंधन के उपायों को शामिल किया जा रहा है। हमें विश्वास है, जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के विकास और प्रसार तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करते हुए हम कृषि उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं।

आईसीएआर-एनबीपीजीआर द्वारा प्रकाशित की जा रही "संवाद" त्रैमासिक पत्रिका का यह अंक आप सबके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। इस पत्रिका के शुभारंभ से मैं जुड़ा हूं। हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और धरोहर का प्रतीक है। हिंदी वह सूत्र है जो भारत की विविध भाषाओं को जोड़ती है और यह हमारी साझी संस्कृति की मिसाल है। यूं कहें तो भाषा सरकार नहीं लाती बल्कि जनता में उसके प्रचलन से कोई भाषा अपना स्थान प्राप्त कर पाती है। हिंदी भाषा की शक्ति उसको बोलने वाले विशाल जन समुदाय में निहित है जो केवल भारत में ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में बसा हुआ है। आजादी की लड़ाई में हिंदी की भूमिका से हम सब भली-भांति परिचित हैं।

संघ सरकार के राजभाषा के दायित्व के निर्वहन में "संवाद" पत्रिका के माध्यम से संस्थान को एक मंच प्राप्त हो रहा है। यह पत्रिका समस्त घटनाक्रमों को एकत्रित कर उसे उपयुक्त और नियमित स्थान प्रदान कर रही है। मैं इस अंक के प्रकाशन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देता हूँ और इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

**(डॉ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह)**

**निदेशक, आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली**

## कार्यशाला, बैठक, सेमिनार और सम्मेलन

### संस्थान अनुसंधान समिति की बैठक

संस्थान अनुसंधान परिषद की 34वीं बैठक 24 जनवरी, 2024 को हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। बैठक में प्रभागाध्यक्षों/ इकाई के प्रभारी अधिकारियों द्वारा वर्तमान में मुख्यालय के साथ क्षेत्रीय केंद्रों पर जारी कुल 78 अनुसंधान परियोजनाओं की मुख्य उपलब्धियां प्रस्तुत की गईं।

संस्थान अनुसंधान परिषद की 35वीं बैठक 19 मार्च, 2024 को हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई, जहां वर्तमान में मुख्यालय के साथ-साथ क्षेत्रीय केंद्रों पर चल रहे सभी अनुसंधान परियोजनाओं की मुख्य उपलब्धियां "आरपीपी III" के रूप में प्रभागाध्यक्षों/ इकाई प्रभारी अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गईं। सभी प्रभागाध्यक्षों एवं प्रभारी, जननद्रव्य विनिमय इकाई द्वारा समस्त परियोजनाओं की आरपीपी I की प्रस्तुति दी गई और अध्यक्ष, आईआरसी द्वारा अनुमोदित किया गया।

### संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आईटीएमसी) की बैठक

एनबीपीजीआर की संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आईटीएमसी) की 34वीं बैठक 21 मार्च, 2024 को आयोजित की गई। इस बैठक में बकव्हीट (कुट्टू) किस्म-हिम फाफरा के व्यावसायीकरण पर चर्चा की गई।

### राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 26 मार्च, 2024 को आयोजित की गई। बैठक के दौरान हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार संस्थान के प्रभाग, इकाई एवं क्षेत्रीय केन्द्रों में हिन्दी के कार्यों की समीक्षा की गई तथा साथ ही राजभाषा विभाग द्वारा जारी नए वार्षिक कार्यक्रम पर चर्चा की गई।

### जननद्रव्य विविधता दिवस का आयोजन

रबी फसलों के जननद्रव्यों के कुशल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए , संस्थान के ईसापुर फार्म पर जननद्रव्य विविधता दिवस का आयोजन किया गया जिसमे देश भर से लगभग 75 पादप प्रजनक सम्मिलित हुए । इस अवसर पर आईसीएआर के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), डॉ. टी आर शर्मा, सहायक महानिदेशक (बीज), डॉ. डीके यादव और बायोवर्सिटी इंटेरनेशनल के देश के प्रतिनिधि डॉ. जेसी राणा की उपस्थिति रही।

### जागरूकता कार्यक्रम
### लाभ वितरण कार्यक्रम

आईसीएआर-एनबीपीजीआर हैदराबाद ने आरआर जिले के मुकुनूर गांव में एससी-एसपी योजना के तहत पादप आनुवंशिक संसाधनजागरूकताएवं लाभ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस के दौरान डॉ. जीपी सिंह, निदेशक, एनबीपीजीआर और डॉ. आरके माथुर, निदेशक, आईसीएआर-आईआईओआर ने भाग लिया और 100 अनुसूचित जाति के परिवारों को लाभ वितरित किए।

### अनूसूचित जनजाति उपयोजना

अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत पादप

आनुवंशिक संसाधनों की जागरूकता और लाभ वितरण कार्यक्रम देशभर के विभिन्न राज्यों के अनुसूचित जातियों के किसानों में पादप आनुवंशिक संसाधनों की जागरूकता के लिए तथा साथ में उनकी कृषि उद्यमशीलता के माध्यम से आय बढ़ाने के लिए जरूरी उपकरणों को वितरित किया गया । इस योजना के माध्यम से लगभग 2000 अनुसूचित जाति के कृषक परिवार लाभान्वित हुए।

## जनजाति उपयोजना के अंतर्गत जनजातीय किसानों मे फसल विविधता संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन

एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केंद्र, त्रिस्सूर ने स्थानीय किस्मों की खेती के माध्यम से फसल विविधता

संरक्षण के बारे में जागरूकता लाने के लिए 10 जनवरी, 2024 को केरल के इडुक्की जिले में आदिवासी किसानों के लिए 'होमस्टेड खेती के माध्यम से कृषि-जैव विविधता संरक्षण' पर एक टीएसपी कार्यक्रम का आयोजन किया।

## आईसीएआर सीआरपी-एबी कार्यक्रम के अंतर्गत रागी पर मेगा प्रयोग

आईसीएआर के सीआरपी एबी कार्यक्रम के तहत टीएनएयू, कोयंबटूर के सहयोग से निदेशक एनबीपीजीआर के नेतृत्व में 12000 फिंगर बाजरा, श्रीअन्न/ रागी के जननद्रव्य लक्षण वर्णन से युक्त मेगा प्रयोग का कार्य किया जा रहा है। दिनांक 10 फरवरी, 2024 को एनबीपीजीआर के द्वारा कार्यक्षेत्र का दौरा किया गया।

## जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

झज्जर: भारत सरकार अनुसूचित जाति के किसान, जिसमें निमुख्य रूप से महिला किसानों के स्वालंबनके लिए प्रतिबद्ध है। दिनांक 12 मार्च, 2024 को झज्जर में निदेशक एनबीपीजीर के दिशा दैंशन में केविके, झज्जर, हरियाणा के सहयोग तथा कुलपति, चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय,हिसार के मार्गदर्शन द्वारा एक दिवसीय पादप आनुवांशिक संसाधन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

**बावल, हरियाणा:** भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत कृषि एवं उद्यान विज्ञान में नवाचार के माध्यम से किसानों मे आर्थिक आत्मनिर्भता लाने का प्रयास किया जा रहा है। इस संदर्भ में सीसीएसएयू और एनबीपीजीआर के संयुक्त प्रयास से दिनांक 10 जनवरी, 2024 कृषि महाविद्यालय बावल में पीजीआर जागरूकता यात्रा का आयोजन किया गया।

**हैदराबाद:** क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद ने टीएनएयू, मदुरै परिसर के चार संकाय सदस्यों के साथ आए अंतिम वर्ष के 189 छात्रों के लिए दिनांक

12 मार्च 2024 को पीजीआर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। वैज्ञानिकों ने आईसीएआर-एनबीपीजीआर की विभिन्न गतिविधियों के बारे में सभी छात्रों को बताया और संग्रहालय, एमटीएस सुविधा, प्रायोगिक क्षेत्र और प्रयोगशालाओं का दौरा भी करवाया।

## राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संपर्क

### प्रशिक्षण दौरा

आईसीएआर-एनबीपीजीआर ने 26 फरवरी 2024 को पूसा फार्म में ग्रिडस्कोर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के दौरे का आयोजन किया। खेसारी और उसके फसल वन्य प्रजातियों (सीडब्ल्यूआर) में आनुवंशिक विविधता की जीवंत चित्रयवनिका का प्रदर्शन किया गया है।

### डॉ. वी सीलिया चलम का फिलीपींस दौरा

आईसीएआर-एनबीपीजीआर की प्रभाध्यक्ष, पादप संगरोध प्रभाग डॉ. वी सीलिया चलम, ने 5 से 7 मार्च 2024 को मनीला, फिलीपींस में आयोजित "10वें फाइटोसैनिटरी विशेषज्ञ परामर्श" में भाग लिया और "भारत में अनुसंधान एवं विकास उद्देश्यों के लिए आयातित छोटी मात्रा के बीजों का संगरोध प्रसंस्करण" शीर्षक पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एक पेपर प्रस्तुत किया ।

## समझौता ज्ञापन

### शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए समझौता

आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली और श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय, मुलुगु, तेलंगाना राज्य ने 31.01.2024 को आईसीएआर-एनबीपीजीआर क्षेत्रीय स्टेशन, हैदराबाद में सहयोगात्मक अनुसंधान और शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

### टीएनएयू- कोयंबटूर के साथ समझौता

भारत के आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन के व्यापक दृष्टिकोण के लिए दो नेतृत्वकर्ताओं ने 09 फरवरी 2024 को हाथ मिलाया। इस कार्य हेतु आईसीएआर एनबीपीजीआर और टीएनएयू, कोयंबटूर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

### मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय के साथ समझौता

दिनांक 28 मार्च 2024 नई दिल्ली एनबीपीजीआर और मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद,

तेलंगना राज्य ने छात्रों के प्रशिक्षण/पीजी अनुसंधान की सुविधा के लिए एक समझौता पर हस्ताक्षर किए। टीम एनबीपीजीआर द्वारा डॉ. जीपी सिंह, निदेशक और श्री अंजनेयालु, कुलसचिव द्वारा हस्ताक्षरित दस्तावेज एमआर विश्वविद्यालय को सौंपे गए।

## क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण

### हरियाणा

कृषि नव तकनीक और नवाचार से नव भारत का निर्माण संभव है। उक्त बातें दिनांक 8 फरवरी 2024 को दिल्ली के माजरी गाँव मे किसानों को दिए जा रहे कृषि ड्रोन प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण के दौरान निदेशक डॉ जीपी सिंह ने कही। उन्होने बहुत ही सहज भाव से सभी किसानों को अत्याधुनिक ड्रोन के उपयोग को भीसमझाया।

### हैदराबाद

एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद ने 07.02.2024 को राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान के प्रशिक्षुओं के लिए "जर्मप्लाज्म की निर्यात प्रक्रियाओं" पर संस्थान का दौरा और विषय व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान पादप स्वच्छता निरीक्षण का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं को विषय का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

## समारोह

### गणतन्त्र दिवस का आयोजन

75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर एनबीपीजीआर मुख्यालय में निदेशक एनबीपीजीआर द्वारा झंडारोहण का कार्य किया गया। उन्होने अपने वक्तव्य में आईसीएआर- एनबीपीजीआर को कृषि शोध के माध्यम से सशक्त राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने और 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को पूरा करने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में कार्य करने पर ज़ोर दिया ।

### 62वां दीक्षांत समारोह

माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने एनबीपीजीआर में पीजीआर छात्रा सुश्री ज्योत्सना वर्मा को आईएआरआई मेरिट मेडल (एमएससी) प्रदान किया। उनके शोध कार्य ने काले चने में कटाई से पहले अंकुरण सहनशीलता पर अंतर्दृष्टि प्रदान की। आईसीएआर-आईएआरआई, पूसा परिसर, नई दिल्ली के 62वें दीक्षांत समारोह के दौरान माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री अर्जुन मुंडा मौजूद रहे।

### विश्व हिन्दी दिवस

प्रसिद्ध भाषाविद डॉ बालेंदु शर्मा ने विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर बोलते हुए कहा “मैं अपनी भाषा में बोलूंगा, आप अपनी भाषा में सुनेंगे।

यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत है”

निदेशक, डॉ जीपी सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 10 जनवरी 2024 को आयोजित विश्व हिन्दी दिवस कार्यक्रम में निदेशक (भारतीय भाषाएं), माइक्रोसॉफ़्ट डॉ बालेंदु ने हिन्दी भाषा में एआई के विभिन्न उपयोगों एवं हिन्दी भाषा में उपलब्ध नवीन प्रौद्योगिकियों से परिचय करवाया। इस कार्यक्रम में एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केन्द्रों से सभी कार्मिकों को ऑनलाइन लिंक से जोड़ा गया।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 8 मार्च 2024 को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान अतिथि वक्ता श्रीमती स्मिता सिंह, भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी ने अपने ज्ञान से सबको लाभान्वित किया। इस अवसर पर हैदराबाद क्षेत्रीय केंद्र में भी महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

# दौरे

## दलहन उत्पादकता

दलहन उत्पादकता बढ़ाने के लिए आनुवंशिक संसाधन महत्वपूर्ण हैं: डॉ. जी पी सिंह निदेशक एनबीपीजीआर ने आईसीएआरडीए , भारत (ICARDA, INDIA) कार्यालय का दौरा किया और भविष्य के अनुसंधान सहयोग पर चर्चा की। डॉ सिंह ने पौधों की विविधता के संरक्षण के लिए कड़ी मेहनत करने वाले सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी।

## आईजीएफआरआई का दौरा

प्रसिद्ध गेहूं प्रजनक और एनबीपीजीआर, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र पी. सिंह ने आईजीएफआरआई का दौरा किया और वैज्ञानिकों से बातचीत की और उन्नत शोध के लिए सुझाव दिए। निदेशक डॉ. वीके यादव सहित प्रभागों के

प्रमुखों ने उनका स्वागत किया और संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

## सफलताएं एवं उपलब्धियां

एनबीपीजीआर संस्थान की उत्तर पूर्वी पहाड़ियाँ (एनईएच) उप-योजना के अंतर्गत 12 से अधिक संपर्क कार्यक्रमों द्वारा लगभग 1200 से ज्यादा किसान सीधे लाभान्वित हुए। पिछले तीन महीनों के दौरान असम, नागालैंड, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश में एनईएच के किसानों के लिए मुख्य रूप से पीजीआर संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम, स्वदेशी पीजीआर के सतत उपयोग और मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण और आजीविका में वृद्धि के लिए पीजीआर के संरक्षण और उपयोग की वर्तमान स्थिति पर संबंधित लोगों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन संपर्क कार्यक्रमों के दौरान किसानों को स्वदेशी पीजीआर से संरक्षण, टिकाऊ उपयोग, मूल्य संवर्धन, आजीविका समर्थन पर ज्ञान प्रदान करने के अलावा छोटे और मध्यम कृषि उपकरणों, बीजों और रोपण सामग्री से लाभान्वित किया गया। करने के अलावा छोटे और मध्यम कृषि उपकरणों, बीजों और रोपण सामग्री से लाभान्वित किया गया।

## विविध

### पुरस्कार एवं मान्यताएं

सोसायटी फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड मैनेजमेंट एसएआरएम), कटक ने आईसीएआर-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (एनआरआरआई), कटक के सहयोग से आईसीएआर-एनआरआरआई, कटक में 19 से 21 जनवरी 2024 तक सतत विकास के लिए कृषि पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कृषि विजन 2024" का आयोजन किया।

इस अवसर पर, एसएआरएम ने एनबीपीजीआर के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को गेहूं में उनके अनुकरणीय योगदान, नवोन्मेष और अनुसंधान के लिए सबसे प्रतिष्ठित "विशिष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार 2024" प्रदान किया।

### नियुक्ति एवं स्थानांतरण

#### नियुक्ति

एनबीपीजीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ परिमलन कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा सीधी भर्ती के माध्यम से प्रधान वैज्ञानिक के पद पर नियुक्त हुए।

#### स्थानांतरण

इस तिमाही के दौरान एनबीपीजीआर मुख्यालय में कार्यभार संभालने वाले अधिकारी हैं: डॉ मोनिका झा, वैज्ञानिक पद पर दिनांक 01-02-2024 को, डॉ विष्णु कुमार, प्रधान वैज्ञानिक पद पर सीधी भर्ती से दिनांक 5-01-2024 को,डॉ निधि वर्मा, प्रधान वैज्ञानिक पद पर दिनांक 19-02-2024 को। साथ ही क्षेत्रीय केंद्र जोधपुर में कार्यरत डॉ करतार सिंह, वैज्ञानिक का स्थानांतरण अजमेर स्थित राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र में हुआ।

### सेवानिवृत्ति

#### अप्रैल

श्री अरुण दिवाकर गोडलिंगा, कुशल सहायक कर्मचारी

#### मई

1. श्रीमती तुलसी देवी, कुशल सहायक कर्मचारी

1. श्रीमती लीमा शर्मा, सहायक

**जून**

1. डॉ एस के मलिक, प्रधान वैज्ञानिक
2. एम बी केशवा राजू, कुशल सहायक कर्मचारी
3. आर पी बारस्से, कुशल सहायक कर्मचारी

## केंद्र परिचय
## (क्षेत्रीय केंद्र, त्रिस्सूर)

केंद्र की स्थापना 1977 में 10.4 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र के साथ की गई थी और यह केरल (भारत) के त्रिशूर में स्थित है। स्टेशन के भौगोलिक निर्देशांक: अक्षांश (10°33'09.6"N); देशांतर (76°16'38.6"E); ऊंचाई (46 मीटर एमएसएल)। स्टेशन त्रिशूर रेलवे स्टेशन से 13 किमी दूर और कोच्चि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 55 किमी दूर है।

अधिदेश: गोवा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सहित दक्षिणी भारत में पादप आनुवंशिक संसाधनों का संवर्धन, लक्षण वर्णन, मूल्यांकन, रखरखाव, पुनर्जनन, संरक्षण, दस्तावेज़ीकरण और वितरण।

क्षेत्राधिकार: केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा राज्य और संघ राज्य क्षेत्र पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।


**परामर्श एवं सहयोग:**

**सुरेश कुमार गजमोती**
**मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (एसजी)**

**संकलन एवं संपादन:**

**आशुतोष कुमार, उप निदेशक (राभा)**

**प्रकाशक:**

निदेशक

भाकृअप-एनबीपीजीआर, पूसा परिसर, नई दिल्ली 110012

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो
पूसा, नई दिल्ली-110012
दूरभाष: +91-11-25843697, फैक्स:+91-11-25842495
ई-मेल:director.nbpgr@icar.gov.in | वैबसाइट:www.nbpgr.ernet.in